बच्चों के कल्याण, शिक्षा और समग्र विकास के लिए समग्र पहल

बाल देखभाल संस्थानों में बच्चों के लिए बाल मेला आयोजित

(दिशा शर्मा-आराधिका ठाकुर)

पंचकूला, 15 नवंबर - मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव अजय कुमार घनघस ने बताया कि हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (एचएसएलएसए) की कार्य योजना के अनुसार, बाल दिवस, 14 नवंबर, 2024 के अवसर पर बाल देखभाल संस्थानों (सीसीआईएस) में रहने वाले बच्चों के लिए बाल मेला आयोजित किया गया। यह पहल राज्य भर के सीसीआई में बच्चों के कल्याण, शिक्षा और समग्र विकास के लिए एचएसएलएसए की चल रही प्रतिबद्धता का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य युवा निवासियों के बीच खुशी, रचनात्मकता और समुदाय की भावना को बढ़ावा देना है। इस दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम बाल सदन, सेक्टर 12-ए में आयोजित किया गया, जहां सीसीआई के बच्चे और कर्मचारी विशेष अवसर मनाने के लिए एकत्र हुए। कार्यक्रम की शुरूआत श्री अजय कुमार घनघस ने सभी बाल दिवस को बच्चों के अधिकारों और कल्याण के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देने के साधन के रूप में मान्यता देने के महत्व पर जोर दिया।

उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि ऐसी पहल उन बच्चों के लिए एक सहायक वातावरण बनाने में आवश्यक है, जिनकी पारंपरिक पारिवारिक सेटिंग तक पहुंच नहीं है, जिससे उन्हें खुशी के क्षणों का अनुभव करने की अनुमति मिलती है और दिन उत्साह और खुशी से भरा रहा क्योंकि बच्चे विभिन्न प्रदर्शनों और गतिविधियों में शामिल रहे। उन्होंने नृत्य, गीत, नाटक और कविता पाठ के माध्यम से अपनी रचनात्मकता और उत्साह व्यक्त करते हुए अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम न केवल मनोरंजन के लिए बल्कि बच्चों को आत्मविश्वास देने और उनकी क्षमताओं का पोषण करने के लिए प्रेरित करने के लिए भी डिजाइन किया गया। प्रदर्शन बच्चों और उनके सलाहकारों दोनों की कड़ी मेहनत और समर्पण को दर्शाते हैं, जो इस कार्यक्रम के लिए हफ्तों से तैयारी कर रहे थे। श्री अरुण अलमादी, बाल सदन, सेक्टर 12-ए, पंचकूला के अध्यक्ष ने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण श्री अजय कुमार घनघस की भागीदारी रही, जिन्होंने बच्चों के साथ सक्रिय रूप से भाग लिया और प्रोत्साहन और स्नेह के प्रतीक के रूप में उपहार वितरित किए। उनके इस कदम से बच्चों के चेहरों पर मुस्कान आ गई और यह धारणा पुष्ट हुई कि समाज उन्हें महत्व देता है और उनकी देखभाल करता है।

उन्होंने बताया कि उपहारों में शैक्षिक आपूर्ति, खिलौने और ट्रीट शामिल रहे, जो सीखने और मनोरंजन दोनों का प्रतीक थे। उदारता का यह कार्य डीएलएसए पंचकूला और एचएसएलएसए द्वारा सीसीआई में रहने वाले बच्चों के लिए एक पोषण वातावरण को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को याद दिलाता है। बच्चों ने सांस्कृतिक प्रदर्शनों के बाद खेलों, कहानी सुनाने के सत्रों और इंटरैक्टिव कार्यशालाओं में भाग लिया। इन गतिविधियों को योजना सामाजिक संपर्क, टीम वर्क और खेल के माध्यम से सीखने को प्रोत्साहित करने के लिए बनाई गई। बाल सदन का माहौल जीवंत, हंसी और खुशी से भरा था क्योंकि बच्चे उत्साह में डूबे रहे। बाल सदन में बाल मेला समुदाय की भागीदारी और कानूनी अधिकारियों के सक्रिय प्रयासों के सकारात्मक प्रभाव का एक मार्मिक अनुस्मारक के रूप में कार्य इस तरह के कार्यक्रम सीसीआई की भूमिका और संस्थागत देखभाल में बच्चों को समर्थन देने के महत्व के बारे में आम जनता के बीच जागरूकता को भी बढ़ावा देते हैं।

सुश्री रेणु माथुर, काउंसलर ने कहा कि यह कार्यक्रम श्री अजय कुमार घनघस के आशा और प्रेरणा के संदेश के साथ संपन्न हुआ, जिन्होंने बच्चों को दृढ़ संकल्प के साथ अपने सपनों को आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया और उन्हें आश्वासन दिया कि डीएलएसए और एचएसएलएसए उनके अधिकारों और कल्याण की वकालत करते हुए उनके साथ खड़े रहेंगे। बाल सदन, सेक्टर 12-ए, पंचकूला में बाल दिवस समारोह ने न केवल खुशी और उत्साह का दिन प्रदान किया, बल्कि सभी प्रतिभागियों के संकल्प को भी मजबूत किया कि वे बच्चों को समर्थन और उत्थान जारी रखें जो देश का भविष्य हैं। कार्यक्रम के दौरान कानूनी सहायता अधिवक्ता श्री जी.पी. पनेट, श्री सायब सिंह, श्री जसपाल सिंह, सुश्री सुमित कालिया, सुश्री सोनिया सैनी और सुश्री मोनिका कपिल बाल सदन के पदाधिकारियों के साथ मौजूद थे।

प्राइवेट लिमिटेड, प्लॉट नंबर सी-5, इंस्टीट्यूशनल एरिया, सेक्टर-6, पंचकूला- 134109, हरियाणा से छपवाकर, मकान नं. 1641, सेक्टर-21 पंचकूला- 134112,
स्पार, समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार। किसी भी प्रकार के विवाद में न्याय क्षेत्र पंचकूला के अधीन होगा।